

7K 'RINGS' TO PROP UP 16KM TUNNEL OF BKC-SHILPHATA BULLET TRAIN CORRIDOR

To construct Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor's 16km section with tunnel boring machines, 76,940 segments will be cast to form 7,441 rings, reports Manthan K Mehta

WHAT ARE SEGMENTS

► 'Segments' refer to the precast concrete elements that form the lining of a tunnel

► These are assembled within the tunnel to create a continuous, stable lining that supports tunnel walls and helps manage groundwater and soil pressure

► Individual segments are bolted or keyed together to form a complete ring. These rings are then assembled sequentially within the tunnel as the boring machine advances



► Segments are transported to the tunnel face, where a tunnel boring machine installs them immediately after the soil is excavated. The simultaneous excavation and lining installation provide immediate support to the newly excavated tunnel

► Special ring segments are being cast for the tunnel lining



The casting and stacking yard for the project, spread across 9.9 hectares, in Mahape is currently being commissioned

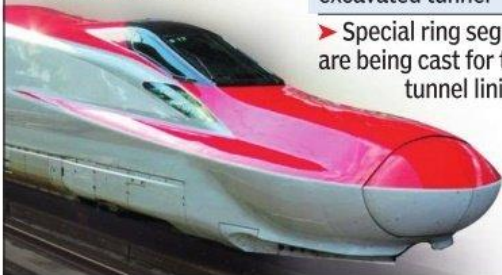
STATUS OF CORRIDOR ALIGNMENT IN MUM

21km tunnel under construction between BKC and Shilphata

16km to be excavated using 3 tunnel boring machines; remaining 5km using the new Austrian tunnelling method

9 curved segments, 1 key segment on each ring

2m Width of each segment | 0.5m: Its thickness



Casting yard set up for bullet train tunnel

Ahmedabad: Officials of the the National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Tuesday released details of the technology to be used for a 21-km tunnel between the Bandra Kurla Complex and Shilphata for the bullet train project.

A 16km section will be excavated by three tunnel boring machines (TBMs) while 5km will be built using a new Austrian tunnelling method (NATM).

On the 16km section excavated by TBMs, supporting rings of pre-cast high high-strength concrete will cover the inside of the tunnel.

These rings will be made using nine curves and one



keystone. fitted together like a jigsaw puzzle. .

Each piece of concrete segment will be 2m in width and 0.5m in thickness.

The casting and stacking yard has been set up on 9.9 hectares at Mahape in Thane district. It has moulds for each concrete section and cranes and gantries to load them efficiently. TNN

BULLET TRAIN

Segments being cast for Bandra Kurla Complex to Shilphata stretch

EXPRESS NEWS SERVICE

MUMBAI, MAY 21

THE NATIONAL High Speed Rail Corporation (NHSRCL) has started casting concrete segments for the 16-km section of the 21-km tunnel being built as part of the bullet train project that will connect Mumbai to Ahmedabad. As many as 76,940 segments will be cast for the stretch between Bandra Kurla Complex and Shilphata.

Of the total length, 16 km will be excavated using three Tunnel Boring Machines (TBMs), while the remaining 5 km will be built using New Austrian Tunnelling Method (NATM). High-strength M70 grade concrete is being used to ensure superior structural integrity and long-term durability. The casting and stacking yard, covering an area of 98,898 sqm (9.9 hectares) in Mahape, Thane district, is currently being commissioned.

The yard is equipped with various cranes, gantries, and machines to automate and mechanize the casting operations, ensuring high-quality assurance during the casting and stacking of the segments. The facility will also include casting sheds, a stacking area, a batching plant, and a steam curing area.

Over 76k segments to be cast for Bullet tunnel

BULLET TRAIN

FPJ NEWS SERVICE / MUMBAI

A 21km tunnel is under construction between the Bandra-Kurla-Complex and Shilphata for the Mumbai-Ahmedabad Bullet train project. Of the total length, 16km will be excavated using three tunnel boring machines (TBMs), while the remaining 5km will be constructed using the new Austrian tunnelling method (NATM). To form 7,441 rings, 76,940 segments will be cast. Special ring segments are being cast for the tunnel lining, each ring comprising nine curved segments and one key segment, with each

segment being 2 meter wide and 0.5 meter thick, a release issued by the National High-Speed Railway Corporation Ltd (NHSRCL) said.

High-strength M70 grade concrete is being used to ensure superior structural integrity and long-term durability.

सुरंग की परत के लिए NHSRCL विशेष सेगमेंट्स डाल रही, इससे इनर रिंग बनेगा

हाई स्पीड बुलेट ट्रेन: 16 किमी लंबी अंडरग्राउंड टनल के लिए 76 हजार कंक्रीट सेगमेंट बनेंगे

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का सूरत समेत विभिन्न हिस्सों में काम तेजी से चल रहा है। अब इस प्रोजेक्ट के लिए बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण चल रहा है। कुल लंबाई में से 16 किमी की खुदाई 3 टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) के उपयोग से होगी, जबकि शेष 5 किमी का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग विधि (एनएटीएम) के उपयोग से किया जाएगा। टीबीएम के साथ 16 किमी के खंड के निर्माण और 7,441 रिंग बनाने के लिए 76,940 सेगमेंट्स बनाए जाएंगे।

सुरंग की परत के लिए विशेष रिंग सेगमेंट्स डाले जा रहे हैं। प्रत्येक रिंग में 9 घुमावदार सेगमेंट और 1 मुख्य



सेगमेंट शामिल है। प्रत्येक सेगमेंट 2 मीटर चौड़ा और 0.5 मीटर मोटा है। बेहतर स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उच्च शक्ति एम70 ग्रेड कंक्रीट का उपयोग किया जा रहा है। ठाणे जिले के महापे में 98,898

वर्गमीटर (9.9 हेक्टेयर) क्षेत्र को कवर करने वाला कास्टिंग और स्टैकिंग यार्ड फिलहाल चालू किया जा रहा है। यार्ड में सांचों के 9 सेट होंगे। प्रत्येक में 10 सेगमेंट होंगे। इन सांचों के 4 सेट पहले से ही साइट पर इंस्टॉल किए जा रहे हैं।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच बन रहा 21 किमी लंबी सुरंग

16 किमी लंबी सुरंग के लिए 76,000 से अधिक सेगमेंट्स बनाएंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सुरत. देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किमी लंबी सुरंग का निर्माण किया जाना है। इसमें 16 किमी की खुदाई तीन टनल बोरिंग मशीनों से की जाएगी। इस 16 किलोमीटर के खंड का निर्माण करने के लिए 7,441 रिंग बनाने के लिए 76,940 सेगमेंट्स बनाए जाएंगे, जिसका कार्य शुरू हो गया है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कोर्पोरेशन (एनएचएसआरसीएल) की ओर से बताया गया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और

शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। इसमें कुल लंबाई में से 16 किलोमीटर की खुदाई तीन टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) के उपयोग से की जाएगी जबकि शेष 5 किलोमीटर का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग विधि (एनएटीएम) के उपयोग से होगा। टीबीएम के साथ 16 किलोमीटर के खंड का निर्माण करने के लिए 7,441 रिंग बनाने के लिए 76,940 सेगमेंट्स बनाए जाएंगे।

यार्ड में सांचों के नौ सेट होंगे, जिनमें से प्रत्येक में दस सेगमेंट होंगे। इन सांचों के चार सेट पहले से ही साइट पर इनस्टॉल किए जा रहे हैं। यार्ड कास्टिंग संचालन को स्वचालित और मशीनीकृत करने के



कास्टिंग और स्टैकिंग यार्ड में कार्यरत कर्मचारी।



लिए विभिन्न क्रेन, गैन्ट्री और मशीनों से लैस बनाया जाएगा, जो सेगमेंट्स की कास्टिंग और स्टैकिंग

के दौरान उच्च गुणवत्ता को सुनिश्चित करेंगे। इसके अतिरिक्त, सुविधा में कास्टिंग शेड, एक

स्टैकिंग क्षेत्र, एक बैचिंग प्लांट और एक स्टीम क्योरिंग क्षेत्र शामिल होंगे।

नौ सांचों में चार के सेट हो चुके इंस्टाल

सुरंग की परत के लिए विशेष रिंग सेगमेंट डाले जा रहे हैं, प्रत्येक रिंग में नौ घुमावदार सेगमेंट और एक मुख्य सेगमेंट शामिल है, प्रत्येक सेगमेंट दो मीटर चौड़ा और 0.5 मीटर मोटा है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के महापे में 98,898 वर्गमीटर (9.9 हेक्टेयर) क्षेत्र में कास्टिंग और स्टैकिंग यार्ड बनाया जा रहा है। यार्ड में सांचों के नौ सेट होंगे, जिनमें से प्रत्येक में 10 सेगमेंट होंगे। इन सांचों के चार सेट पहले ही इंस्टॉल किए जा चुके हैं।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: 16 किलोमीटर लंबी सुरंग के लिए 76,000 से अधिक सेगमेंट्स बनाए जाएंगे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण चल रहा है। कुल लंबाई में से 16 किलोमीटर लंबी सुरंग के लिए 76,000 से अधिक सेगमेंट्स बनाए जाएंगे। 16 किलोमीटर की खुदाई तीन टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) का उपयोग कर की जाएगी। शेष 5 किलोमीटर का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग विधि (एनएटीएम) का उपयोग कर किया जाएगा। टीबीएम के साथ 16 किलोमीटर के खंड का निर्माण करने को 7,441 रिंग बनाने के लिए 76,940 सेगमेंट्स बनाए जाएंगे। सुरंग की परत के लिए विशेष रिंग सेगमेंट्स डाले जा रहे हैं। प्रत्येक रिंग में नौ घुमावदार सेगमेंट और एक



मुख्य सेगमेंट शामिल है। प्रत्येक सेगमेंट 2 मीटर चौड़ा और 0.5 मीटर मोटा है।

बेहतर स्ट्रक्चरल इंटीग्रेट और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उच्च शक्ति एम 70 ग्रेड कंक्रीट का उपयोग किया जा रहा है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के महापे में 98,898 वर्गमीटर (9.9 हेक्टेयर) क्षेत्र को कवर करने वाला कास्टिंग और स्टैकिंग यार्ड वर्तमान में चालू किया जा रहा है। यार्ड में सांचों के नौ सेट होंगे, जिनमें से

प्रत्येक में दस सेगमेंट होंगे। इन सांचों के चार सेट पहले से ही साइट पर इंस्टॉल किए जा रहे हैं।

यार्ड कास्टिंग संचालन को स्वचालित और मशीनीकृत करने के लिए विभिन्न क्रेन, गैन्ट्री और मशीनों से लैस बनाया जाएगा, जो सेगमेंट्स की कास्टिंग और स्टैकिंग के दौरान उच्च गुणवत्ता को सुनिश्चित करेंगे। इसके अतिरिक्त, सुविधा में कास्टिंग शेड, एक स्टैकिंग क्षेत्र, एक बैचिंग प्लांट और एक स्टीम क्योरिंग क्षेत्र शामिल होंगे।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना

16 किमी लंबी सुरंग के लिए बनाए जाएंगे 76,000 सेगमेंट



पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 16 किलोमीटर लंबी सुरंग के लिए 76,000 से अधिक सेगमेंट बनाए जाएंगे। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण चल रहा है। कुल लंबाई में से 16 किलोमीटर की खुदाई तीन टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) से की जाएगी, जबकि शेष पांच किलोमीटर का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग विधि (एनएटीएम) से होगा।



नौ सांचों में चार के सैट हो चुके इंस्टाल

सुरंग की परत के लिए विशेष रिंग सेगमेंट डाले जा रहे हैं, प्रत्येक रिंग में नौ घुमावदार सेगमेंट और एक मुख्य सेगमेंट शामिल है, प्रत्येक सेगमेंट दो मीटर चौड़ा और 0.5 मीटर मोटा है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के महापे में 98,898 वर्गमीटर (9.9 हेक्टेयर) क्षेत्र में कार्स्टिंग और स्टैकिंग यार्ड बनाया जा रहा है। यार्ड में सांचों के नौ सेट होंगे, जिनमें से प्रत्येक में 10 सेगमेंट होंगे। इन सांचों के चार सेट पहले ही इंस्टॉल किए जा चुके हैं।

बुलेट ट्रेन की सुरंग के लिए सेग्मेंट

■ विस, मुंबई: बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 16 किलोमीटर लंबी सुरंग के लिए 76,000 से अधिक सेग्मेंट्स बनाए जाएंगे।

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण चल रहा है। कुल लंबाई में से 16 किलोमीटर की खुदाई टीबीएम के साथ 16 किलोमीटर के खंड का निर्माण करने के लिए, 7,441 रिंग बनाने के लिए 76,940 सेग्मेंट्स बनाए जाएंगे।

For the Mumbai- Ahmedabad Bullet Train Project 21-kilometer tunnel is under construction between the Bandra Kurla Complex and Shilphata For construction of 16 kilometers tunnel 76,940 segments will be casted



मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पात वांद्रे कुर्ला संकुल ते शिळफाटा दरम्यान २१ किलोमीटरचा बोगदा बांधण्यात येत आहे. एकूण लांबीपैकी १६ किलोमीटरचा भाग बांधण्यासाठी ७६ हजार ९४० सेगमेंट टाकून ७ हजार ४४१ रिंग तयार करण्यात येणार आहेत. ठाणे जिल्ह्यातील महापे येथे ९८ हजार ८९८ चौरस मीटर क्षेत्रफळाचे कास्टिंग अँड स्टॉकिंग यार्ड सध्या सुरू करण्यात आले आहे.

Over 76,000 Segments to be cast for the 16 km tunnel for Bullet Train Project states National High Speed Rail Corporation.

बुलेट ट्रेनच्या बोगद्यासाठी ७६ हजारांहून अधिक सेगमेंट नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनची माहिती



मुंबई ते अहमदाबाद या बुलेट ट्रेनचे काम प्रगतिपथावर असून त्यासाठी ७६ हजारांहून अधिक सेगमेंट लागणार आहेत.

लोकमत न्यूज नेटवर्क

मुंबई : मुंबई ते अहमदाबाद या बुलेट ट्रेनचे काम प्रगतिपथावर असून, या प्रकल्पातील १६ किलोमीटर बोगद्यासाठी ७६ हजारांहून अधिक सेगमेंट लागणार असल्याची माहिती नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडकडून देण्यात आली.

बुलेट ट्रेनसाठी वांद्रे-कुर्ला संकुल ते शीळ फाट्यादरम्यान २१ किलोमीटरचा बोगदा बांधण्यात येत आहे. एकूण लांबीपैकी १६ किलोमीटरचे खोदकाम तीन टनेल बोरिंग मशीन (टीबीएम)द्वारे केले जाणार आहे. तर, उर्वरित पाच किलोमीटरचे खोदकाम न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग पद्धत वापरून केले जाणार आहे. यासाठी अनेक यंत्रसामग्रीचा वापर करण्यात येणार आहे. त्यामुळे काम सुसह्य होणार आहे.

महापे येथे यार्ड

१ टीबीएमसह १६ किलोमीटरचा हा भाग बांधण्यासाठी ७६ हजार ९४० सेगमेंट टाकून सात हजार ४४१ रिंग तयार करण्यात येणार आहेत.

२ बोगदा बनविण्यासाठी विशेष रिंग सेगमेंट टाकण्यात येत आहेत. प्रत्येक रिंगमध्ये नऊ वक्र विभाग आणि एक मुख्य विभाग आहे. प्रत्येक विभाग दोन मीटर रुंद आणि ०.५ मीटर जाडीचा आहे.

३ महापे येथे १८ हजार ८९८ चौरस मीटर क्षेत्रफळावर कास्टिंग अँड स्टॅकिंग यार्ड सुरू करण्यात येत आहे. कास्टिंग ऑपरेशन्स प्रमाणात स्वयंचलित आणि यंत्रसामग्रीकरणासाठी सुसज्ज आहेत.

National High Speed Rail Corporation informed that, for Bullet train Project tunnel- more than 76,000 Segments to be cast for the 16 km tunnel.

बुलेट ट्रेनच्या बोगद्यासाठी ७६ हजारंहून अधिक सेगमेंट

नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनने दिली माहिती

लोकमत न्यूज नेटवर्क
मुंबई : मुंबई ते अहमदाबाद या बुलेट ट्रेनचे काम प्रगतिपथावर असून, या प्रकल्पातील १६ किलोमीटर बोगद्यासाठी ७६ हजारंहून अधिक सेगमेंट लागणार असल्याची माहिती नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडकडून देण्यात आली.

बुलेट ट्रेनसाठी वांद्रे-कुर्ला संकुल ते शीळ फाट्यादरम्यान २१ किलोमीटरचा बोगदा बांधण्यात येत आहे. एकूण लांबीपैकी १६ किलोमीटरचे खोदकाम तीन टनेल बोरिंग मशीन (टीबीएम)द्वारे केले जाणार आहे. तर, उर्वरित पाच किलोमीटरचे खोदकाम न्यू ऑस्ट्रियन टनेलिंग पद्धत वापरून केले जाणार आहे.

'टीबीएम'सह १६ किलोमीटरचा हा भाग बांधण्यासाठी ७६ हजार ९४० सेगमेंट टाकून सात हजार ४४९ रिंग तयार करण्यात येणार आहेत.



■ बोगद्यासाठी विशेष रिंग सेगमेंट टाकण्यात येत आहेत. रिंगमध्ये नऊ वक्र विभाग आणि एक मुख्य विभाग आहे. प्रत्येक विभाग दोन मीटर रुंद आणि ०.५ मीटर जाडीचा आहे.

महापे येथे यार्ड

- ठाणे जिल्ह्यातील महापे येथे १८ हजार ८९८ चौरस मीटर क्षेत्रफळावर कास्टिंग अँड स्टॉकिंग यार्ड सुरु करण्यात येत आहे.
- कास्टिंग ऑपरेशन्स प्रमाणात स्वयंचलित आणि यंत्रसामग्रीकरणासाठी विविध क्रेन्स, गॅन्ट्रीज आणि मशीनने सुसज्ज आहेत.

Over 76,000 Segments to be cast for the 16 km tunnel for Bullet Train Project

ટ્રેક બિંધાવવા માટે 6 ઈજનેર 20 દિવસ સુધી ઓન અને ઓફ ફિલ્ડ ટ્રેનિંગ આપશે

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ: ટ્રેક માટે ટ્રેનિંગ આપવા જાપાની ઈજનેરોનું આગમન



નવગુજરાત સમય > સુરત

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનું કામ ગતિમાન બન્યું છે. 700 કિ.મી.ના રૂટ ઉપર 308 કિલોમીટર લંબાઈમાં પીઅર બની ચૂક્યા છે. 170 કિલોમીટર લંબાઈમાં વાયડક્ટ પણ બનાવી દેવાયા છે. હવે આ વાયડક્ટ ઉપર ટ્રેક બિંધાવવા માટેની પણ કામગીરી શરૂ કરાશે એટલે તે માટે ટ્રેનિંગ આપવા જાપાની ઈજનેરોની એક ખાસ ટીમ સુરત આવી છે. છ ઈજનેરોની એક ટીમ 20 દિવસ સુધી ભારતીય ઈજનેરોને ટ્રેક બિંધાવવા માટેની ઓફ ધ ફિલ્ડ અને ઓન ધ ફિલ્ડ ટ્રેનિંગ આપશે. આ ટ્રેનિંગમાં પહેલા સ્તરના ઈજનેરોને તેનાથી અવગત કરાવી પણ દેવાયા છે. સાથો સાથે આ પ્રોજેક્ટમાં જે 21 કિલોમીટર અંડરગ્રાઉન્ડ ટનલ બનાવવાની ચાલુ છે, તેમાં કોંક્રીટના સેગમેન્ટ પણ તૈયાર કરવાની કામગીરી પૂરજોશમાં શરૂ કરી દેવામાં આવી છે.

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ અંગે સત્તાવાર માહિતી આપતા પ્રોજેક્ટના અધિકારીઓ કહ્યું હતું કે, આ પ્રોજેક્ટમાં ટ્રેક તૈયાર કરવા માટેની તૈયારી સુરત ખાતે પુરજોશમાં ચાલી રહી છે, ત્યારે જાપાની એક સ્પેશિયલ ટીમ સુરત ખાતે આવી ગઈ છે. આ ટીમ ઈજનેરોને સુરત ખાતે તાલીમ આપી રહી છે. 20 દિવસ સુધીના આ ટ્રેનિંગ સેશનમાં 6 જાપાની નિષ્ણાતો ભારતના ઈજનેરોને તાલીમ આપશે, તો બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે ટ્રેક વર્ક્સ તૈયાર કરવાનું પણ પ્લાનિંગ ચાલી રહ્યું છે. નિષ્ણાતો દ્વારા ભારતીય ઈજનેરો, સુપરવાઈઝર્સ અને ટેકનિશિયનોને સઘન ટ્રેનિંગ આપવામાં આવી રહી છે.

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે ટ્રેક વર્ક્સ બનાવવા માટે સુરતમાં ભારતીય એન્જિનિયરો અને કાર્ય નેતાઓ માટે તાલીમ શરૂ થઈ ગઈ છે. ટ્રેક બિંધાવવા માટેની જે સ્પેશિયલાઈઝ્ડ કામગીરી છે, તેના બાંધકામની ખાસિયતો ઉપર 20 દિવસના તાલીમ સેશનમાં સ્લેબ ટ્રેક બેસાડવાનું અને સિમેન્ટ આસ્ફાલ્ટ મોર્ટાર બેસાડવાની કામગીરી ઉપર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવામાં આવશે.

આ તાલીમ જાપાની જેએઆરટીએસ નામની એક બિન-નફાકારક સંસ્થા છે, તેમના દ્વારા આપવામાં આવી રહી છે, જેને જીઆઈસીએ (બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની ભંડોળ પૂરું પાડતી એજન્સી) દ્વારા જાપાનીઝ નિષ્ણાતો મારફતે નિયુક્ત કરવામાં આવી છે. આ ટ્રેનિંગ કોર્સ દરમિયાન લગભગ 20 ઈજનેરો/કાર્ય નેતાઓ/ટેકનિશિયનોને તાલીમ આપવાનું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે. 6 જાપાની નિષ્ણાતો ભારતીય ઈજનેરો, સુપરવાઈઝર્સ અને ટેકનિશિયનોને સઘન તાલીમ આપી રહ્યા છે. સ્થળ મેનેજર્સ, ટ્રેક સ્લેબ મેન્યુફેક્ચરિંગ, આરસી ટ્રેક બેડ કન્સ્ટ્રક્શન, રેકરન્સ પિન સર્વે અને ડેટા એનાલિસિસ માટેની તાલીમ પૂર્ણ થઈ ચૂકી છે, તેવું તેમણે ઉમેર્યું હતું.

પ્રોજેક્ટમાં 704 કિમી લંબાઈમાં ટ્રેક બિંધાવશે

બુલેટ ટ્રેન પરિયોજનામાં જે સ્લેબ ટ્રેક સિસ્ટમ હશે. કોરિડોર પર ટ્રેક નાખવા સુરત અને વડોદરા ખાતે 55 હજાર મેટ્રિક ટનથી વધુ વજનના સેલ અને ટ્રેક બાંધકામ મશીનરીના ગ્રાઇ સેટ મળ્યા છે. ગુજરાતમાં 32 કિમીની લાઇનદોરીની સાથે ડીએનએચ માટે વાયડક્ટ અને સાઇનરમટી અને સુરત ખાતે બુલેટ ટ્રેન ડેપો પર કુલ 704 કિમીનો ટ્રેક બિંધાવવામાં આવશે.

ટ્રેનિંગ સાથે ટ્રેક નાખવાનું કામ પણ શરૂ

આ પ્રોજેક્ટમાં મેક ઇન્ડિયા યોજના હેઠળ પહેલ કરીને હવે કેટલાક મશીનોનું ઉત્પાદન ભારતમાં પણ થઈ રહ્યું છે. ટ્રેનિંગની શરૂઆત સાથે ફિલ્ડ ટ્રેનિંગની સાથે ગુજરાતમાં ટ્રેક નાખવાનું કામ શરૂ પણ કરી દેવાયું છે. મશીનોના કાફલામાં સેલ ક્રીડર કાર, ટ્રેક સ્લેબ પાથરવાની કાર, સીએએમ પાથરવાની કાર અને ક્લેશ બ્રુ વેલિંગ મશીનોનો સમાવેશ થાય છે, જેનો ઉપયોગ ટ્રેક નિર્માણ કાર્ય માટે કરવામાં આવશે. આ મશીનોનું ખેડાથી પરીક્ષણ અને કમિશનિંગનું કામ ચાલી રહ્યું છે.

16 કિ.મી. અન્ડરગ્રાઉન્ડ ટનલ માટે કોંક્રીટ રિંગના સેગમેન્ટ બનાવવાનું ચાલુ

મહારાષ્ટ્રમાં થાણોના મહાપેમાં 9.9 હેક્ટરમાં કાસ્ટિંગ અને સ્ટેકિંગ યાર્ડ શરૂ કરાયું

નવગુજરાત સમય > સુરત

બુલેટ ટ્રેનના પ્રોજેક્ટમાં જમીન ઉપરના ભાગમાં આવતા પીઅર, વાયડક્ટ, રિવરબ્રિજ, રોકોસિંગ બ્રિજ જેવી કામગીરી તો ઝડપેર આગળ વધી રહી છે. આ પ્રોજેક્ટમાં મુંબઈ પાસે જે 21 કિલોમીટર અંડરગ્રાઉન્ડ ટનલ છે, તેના બોરિંગની કામગીરી ચાલુ છે, તેની સાથોસાથ આ ટનલમાં બેસાડવાની કોંક્રીટ રિંગના માટે 76હજાર સેગમેન્ટ કાસ્ટિંગ કરવા માટે મહારાષ્ટ્રમાં વિશાળ કાસ્ટિંગ ડેપો શરૂ કરી દેવાયું છે.

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે બાંદ્રા કુર્લા કોમ્પ્લેક્ષ અને શિલ્કાટા વચ્ચે 21 કિલોમીટરની ટનલનું નિર્માણ ચાલી રહ્યું છે. કુલ લંબાઈમાંથી 16 કિલોમીટરનું ખોદકામ ગ્રાઇ ટનલ બોરિંગ મશીન (ટીબીએમ) નો ઉપયોગ કરીને કરવામાં આવશે, જ્યારે બાકીના 5 કિલોમીટરનું ખોદકામ ન્યૂ ઓસ્ટ્રિયન ટનલિંગ પદ્ધતિ (એનએટીએમ) નો ઉપયોગ કરીને કરવામાં આવશે. ટીબીએમ સાથે 16 કિલોમીટરના સેક્શનનું નિર્માણ કરવા માટે 76,940 સેગમેન્ટ તૈયાર કરવામાં આવશે, જેમાં 7,441 રિંસ બનાવવામાં આવશે. બોગદાની લાઈલિંગ માટે ખાસ રિંગ સેગમેન્ટ્સ તૈયાર કરવામાં આવે છે, દરેક રિંગ નવ વક સેગમેન્ટ્સ અને એક ચાવીરૂપ સેગમેન્ટ ધરાવે છે, જેમાં દરેક



દરેક કોંક્રીટની રિંગમાં દસ સેગમેન્ટ (ટુક્કડા) હશે

યાર્ડમાં કોંક્રીટની રિંગના સેગમેન્ટને મોલ્ડિંગ કરવા માટેના નવ મોલ્ડિંગ સેટ સ્થાપવામાં આવ્યા છે. આ મોલ્ડના ચાર સેટ સ્થળ ઉપર પહેલેથી જ સ્થાપન કરી દેવાયા હતાં. કોંક્રીટની દરેક રિંગમાં દસ ટુક્કડા(સેગમેન્ટ) હશે. યાર્ડમાં કાસ્ટિંગની કામગીરીને ઓટોમેટિક અને મિકેનિકલ બનાવવા માટે વિવિધ ક્રેઈન્સ, ગેન્ડ્રી અને મશીનો પણ ઉભા કરી દેવામાં આવ્યા છે, આ સેગમેન્ટના કાસ્ટિંગ અને સ્ટેકીંગ(ખસોડવા) દરમિયાન ઉચ્ચ ગુણવત્તાની ખાતરી સુનિશ્ચિત કરવા માટે તમામ મશીનરી અને કોંક્રીટના સ્ટાન્ડર્ડ વર્લ્ડ ક્લાસ પરફેક્ટ કરાયા છે. કાસ્ટિંગ ડેપોમાં આ ઉપરાંત કાસ્ટિંગ શેડ, સ્ટેકિંગ એરિયા, બેલિંગ પ્લાન્ટ અને સ્ટીમ કમ્યુનિકેશન એરિયા પણ બનાવવા છે, કે જેથી કોંક્રીટની રિંગના સેગમેન્ટ મોલ્ડ કર્યા બાદ તેને સ્ટીમ ક્યુરિંગની મદદથી મજબૂતઈ અપાય અને ત્યારબાદ તેને સ્કેટરર્સની મદદથી ખસોડીને ટ્રાન્સપોર્ટેશન માટે સુધી મોકલી શકાય.

સેગમેન્ટ 2 મીટર પહોળો અને 0.5 મીટર ઝાડો હોય છે. હાઈસ્ટ્રેન્થ ધરાવતા એમ-70 ગ્રેડ કોંક્રીટનો ઉપયોગ તેમાં કરાઈ રહ્યો છે. શ્રેષ્ઠ માળખાકીય અખંડિતતા અને લાંબા ગાળાના ટકાઉપણને સુનિશ્ચિત કરવા માટે આ સ્ટાન્ડર્ડ નક્કી કરવામાં આવ્યા છે. મહારાષ્ટ્રના થાણો જિલ્લાના મહાપેમાં 98,898 ચોરસ મીટર (9.9 હેક્ટર) ના વિસ્તારને આવરી લેતું કાસ્ટિંગ અને સ્ટેકીંગ યાર્ડ હાલમાં શરૂ કરી દેવાયું છે.